उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह मई, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 मई से 31 मई 2017 तक)

गुणवत्तापरक शिक्षा

- दिनांक 17 मई, 2017 को विश्वविद्यालय द्वारा ''दूरस्थ शिक्षा (मुक्त–दूरस्थ शिक्षा प्रणाली) के प्रचार–प्रसार में मीडिया की भूमिका'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दून विश्वविद्यालय, देहरादून में किया गया। संगोष्ठी के उप विषय के रूप में ''दूरस्थ शिक्षा और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया'', ''दूरस्थ शिक्षा और प्रिण्ट मीडिया'', ''दूरस्थ शिक्षा और कम्यूनिटी रेडियो'', ''दूरस्थ शिक्षा और न्यू मीडिया'', ''दूरस्थ शिक्षा और सोशल मीडिया'' आदि विषयों पर विशेषज्ञों व प्रतिभागियों द्वारा मंथन किया गया और चर्चा की गयी। संगोष्ठी में दूरस्थ शिक्षा से जुड़े प्राध्यापक/शिक्षाविद तथा जानकार, मीडिया से जुडे प्रध्यापक, विद्वान, प्रतिष्ठत मीडिया के स्थानीय सम्पादक, वरिष्ठ पत्रकार, उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, दून विश्वविद्यालय, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून तथा साई इन्स्टिट्यूट देहरादून के पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

  संगोष्ठी को तीन सत्रों में बांटा गया। प्रथम सत्र को उद्घाटन सत्र के रूप में संचालित किया गया। सत्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केन्द्रीय कपड़ा राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा जी, अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य के उच्च शिक्षा, सहकारिता, दुग्ध एवं प्रोटोकॉल मंत्री डॉ0 धनसिंह रावत जी, विशिष्ट अतिथि के रूप मीडिया के जानकार व डीएवी पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ0 देवेन्द्र भसीन जी, राज्य सहकारिता के अध्यक्ष श्री दान सिंह रावत जी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव व कुलसचिव प्रो0 आर0 सी0 मिश्र, देहरादून परिसर के निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत ने किया।

सत्र का उद्घाटन करते हुये मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा जी ने कहा कि इग्नू की तर्ज पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय भी बुनकरों व उनके बच्चों को शिक्षित करेगा। उन्होंने कहा कि इग्नू बुनकरों व उनके बच्चों को मुफ्त शिक्षा दे रहा है इसी तर्ज पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को भी कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वित्तीय साक्षरता की ओर भी कदम बढ़ाए। अति विशिष्ट अतिथि राज्य उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी ने कहा कि उच्च शिक्षा को मुक्त विश्वविद्यालय के माध्यम से अधिक से अधिक वंचितों तक पहुंचाने के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में जाकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि साथ ही कारागार व मलिन बस्तियों में विशेष अध्ययन केन्द्र खोले जाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि विशेषकर इतिहास पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, यहां के युवाओं को अपने महान पुरूषों व महान ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी होनी आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा को प्रभावी व अनुशासित करने के लिए सभी कालेजों व विश्वविद्यालय में ड्रेस कोड सिस्टम लागू किया जायेगा जो खादी निर्मित होगी और निफ्ट इसे तैयार करेगा, जो कम दामों पर छात्रों को उपलब्ध हो सकेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव ने विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली, उपलब्धियों एव भविष्य की कार्ययोजनाओं पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति व इग्नू के जनंसचार एवं नयू मीडिया अध्ययन के प्रो0 सुभाष धूलिया ने हिस्सा लिया उन्होंने संगोष्ठी विषय के उपयोगिता और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार के युग में दूरस्थ शिक्षा के प्रचार–प्रसार में मीडिया की अहम भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में छात्र शिक्षकों से दूर रहते हैं, छात्र विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री के माध्यम से अध्ययन करते हैं, ऐसे में सूचना और संचार तकनीकी तथा मीडिया के तमाम जनमाध्यमों का उपयोग छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान कराने में किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि उत्तराखण्ड राज्य की बात करें तो यहां की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितयों के चलते दूरस्थ शिक्षा के बारे में अधिकतर लोगों को दूरस्थ शिक्षा की जानकारी नहीं है, जिसे मीडिया के माध्यम से बढाया जा सकता है।

द्वितीय सत्र तकनिकी सत्र का रहा जिसे दो सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रथम तकनीकी सत्र प्रिन्ट मीडिया और दूरस्थ शिक्षा पर आधारित था, इस सत्र में दैनिक जागरण के उत्तराखण्ड सम्पादक, श्री कुशल कोठियाल ने वक्ता के रूप में मीडिया और दूरस्थ शिक्षा उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में प्रिन्ट मीडिया पर अपने विचार रखे और विश्वविद्यालय को सलाह दी कि वे अपनी समस्त उपलब्धियां, सूचना, योजनाओं को अखबारों को दें, जिससे अखबारों के माध्यम से यह जरूरतमंद लोगों व छात्रों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि आजकल तमाम समाचार पत्र युवाओं से जुड़े हुये कई पृष्ठ व अंक प्रकाशित करते हैं, जिनमें से दैनिक जागरण का जोश, तथा सभी अखबारों का युवा पृष्ठ होता है जिसमें केवल शिक्षा, रोजगार व युवाओं से जुड़ी हुयी खबरें होती हैं, इसके माध्यम से विश्वविद्यालय की तमाम सूचना प्रकाशित की जा सकती हैं।

इसी सत्र में राजस्थान विश्वविद्यालय की पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक प्राध्यापक और वरिष्ठ पत्रकार श्रीमती शालिनी जोशी ने न्यू मीडिया और सोशल मीडिया की उपयोगिता और दूरस्थ शिक्षा में कैसे इसका उपयोग किया जा सकता है इस विषय पर व्याख्यान दिया और चर्चा की, चर्चा में श्री शिव जोशी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के उपस्थित छात्रों ने हिस्सा लिया।

अंततः विषय पर विचार विमर्श मंथन व चिंतन करने के पश्चात् यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय राज्य के दूर दराज के क्षेत्रों में जाकर दूरस्थ शिक्षा का प्रचार–प्रसार करें, और मीडिया के माध्यम से इसे जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करें। अखबारों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के तमाम माध्यमों टीवी, रेडियो, सामुदायिक रेडियो, न्यू मीडिया तथा सोशल मीडिया का अधिकतम उपयोग दूरस्थ शिक्षा के प्रचार प्रसार व इनके माध्यम से अध्ययन सामग्री का प्रकाशन व प्रसारण का कार्य भी किया जाय।

अंतिम सत्र समापन सत्र रहा, जिसमें सभी उपस्थित विशेषज्ञों, प्रतिभागियों का धन्यवाद किया गया तथा विभिन्न संस्थानों से आये पत्रकारिता एवं जनसंचार के छात्रों को प्रमाण पत्र निर्गत किये गये। समापन विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर निदेशक प्रो0 दुर्गेश पंत ने किया, आयोजन सचिव व विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ0 राकेश रयाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

(देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी)

दिव्यांगजनों हेतु षिक्षकों के मूल्यांकन एवं क्षमता हेतु कार्यषाला

- दिनांक 25 से 27 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा रूद्रप्रयाग जिले के जखोली, अगस्तमुनि एवं उखीमठ ब्लाक के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं हेतु दिव्यांगजनो के शिक्षण, पुर्नवास एवं विशेष आवश्यकता हेतु जागरूक करने सम्बंधी तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में लगभग 40 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ बी0एड0 में अध्ययनरत 85 प्रशिक्षु शिक्षकों ने भी प्रतिभाग किया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री मोहन सिंह रावत 'गांववासी' (पूर्व मंत्री उत्तराखण्ड) निदेशक, ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में स्थानीय समाज सेवक श्री अनूप सेमवाल, सुश्री कविता बिष्ट, ब्रांड अम्बेस्डर, महिला सशक्तिकरण विभाग, उत्तराखण्ड आदि मौजूद थे।

  अपने उद्बोधन में श्री मोहन सिंह रावत 'गांववासी' ने बताया कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसमें अध्यापकों को सेवाभाव से जुड़ना होगा। सरकार इस क्षेत्र में अपना कार्य कर रही है परन्तु हम सबका स्वयं में ये दायित्व बनता है कि हम खुद भी दिव्यांगजनों के शिक्षण एवं पुनर्वास के लिये आगे आये।

  उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदत अनुदान के सहयोग से किया गया है।

कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ श्री सतीश चौहान द्वारा मानसिक रूप से मंद बच्चों की पहचान, उनके प्रकार, उनकी शिक्षा एवं पुनर्वास हेतु किये जा रहे सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयासें की जानकारी प्रदान की। विषय विशेषज्ञ श्री राज उनियाल द्वारा नेत्रहीन बच्चों की पहचान, उनकी शिक्षा के लिये ब्रेल लिपि में किताबों का निर्माण व ब्रेल लिपि द्वारा पढ़ना बताया, साथ ही नेत्रहीन बच्चों के रोजगार व स्वरोजगार की जानकारी प्रदान की। श्रीमती मिनाक्षी चौहान द्वारा कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को मूक–बधिर बच्चों को इशारों द्वारा भाषा (Sign Language) का प्रशिक्षण दिया।

कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को दिव्यांग बच्चों के मूल्यांकन एवं उनकी क्षमताओं को जांचने हेतु विभिन्न विधियों एवं परीक्षणों का ज्ञान कराया गया। दिनांक 27 मई, 2017 को कार्यशाला का समापन डॉ0 ड0एस0 ठाकुर विभागाध्यक्ष बी0एड0 विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अगस्तमुनि के द्वारा किया गया।

(रूद्रप्रयाग जिले के जखोली, अगस्तमुनि में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला)

<u>पुराछात्र सम्मेलन</u>

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा **पुराछात्र प्रकोष्ठ** का गठन किया गया है। दिनांक 20 मई, 2017 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का प्रथम पूर्व छात्रों का सम्मेलन (Alumni Meet) 'समवाय' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 90 पूर्व छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम के <u>मुख्य अतिथि वानिकी वन प्रशिक्षण अकादमी के निदेशक डा0 कपिल जोशी</u> एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डा0 जे0एन0 मिश्र थे। कार्यक्रम में मा0 कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव ने पूर्व छात्रों को विश्वविद्यालय की सम्पदा की संज्ञा देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय पूर्व छात्रों का है, इसके चहुमुखी विकास के लिए उन्हें आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में निदेशक प्रो0 एच0 पी0 शुक्ल, प्रो0 गिरिजा पाण्डे प्रो0 पी0डी0 पंत एवं कुलसचिव प्रो0 आर0सी0 मिश्र ने पुरा छात्र सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला। डा0 मिश्र ने कहा मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में ज्ञान अर्जन करने की क्षमता अपार होती है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में पूर्व छात्रों ने भागीदारी कर अपने विचार रखें, जिनमें पूर्व निदेशक एफ0टी0आई0 श्री एन0बी0 सिंह, पूर्व उपायुक्त सेल टेक्स श्री विनोद कुमार शर्मा, श्री नवीन पाठक आदि पूर्व छात्रों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। इसके पश्चात् **'एलुमनी एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी'** का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व उपसचिव का चुनाव किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी के सदस्य तथा दो सलाहकार का भी चयन किया गया जिनके द्वारा संघ का पंजीकरण कराया जायेगा तथा ज्यादा से ज्यादा पूर्व छात्रों को संघ से जोड़ने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर पुराछात्र निर्देशिका (Alumni Directry-2017) का भी प्रकाशन किया गया जिसमें पूर्व छात्रों का पूर्ण विवरण दिया गया है।

(प्रथम पुराछात्र सम्मेलन)

डिजिटल लर्निंग

- दिनांक 6 मई, 2017. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के कुलपति प्रो0 रविंद्र कुमार ने दूरस्थ शिक्षा पद्धति पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षकों को संबोधित किया। प्रो0 कुमार ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विविधता तथा डिजीटल शिक्षा प्रणाली पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में पारंपरिक शिक्षा से हटकर नयापन है इसलिए विद्यार्थी दूरस्थ शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहे है, विद्यार्थियों को अब शिक्षा में विविधता चाहिए जिसके लिए उन्हें दूरस्थ शिक्षा ही उचित माध्यम लगता है। प्रो0 कुमार ने कहा कि हम अब डिजीटल शिक्षा प्रणाली पर विशेष जोर दे रहे है और जल्द ही दूरस्थ शिक्षा से जुड़े सभी विश्वविद्यालय

ओपन डिजीटल लर्निंग बन रहे हैं। कुलपति प्रो0 नागेश्वर राव ने कहा कि विश्वविद्यालय पाठ्य सामग्री पर विशेष ध्यान दे रहा है। साथ ही शैक्षिक कार्यक्रमों को समय पर पूरा करने हेतु हरसंभव प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव प्रो0 आर0सी0 मिश्र ने किया।

ग्राम्य विकास

- दिनांक 19 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव मोथरोवाला में दिव्यांग छात्रों को शिक्षा के प्रति जागरुक करने हेतु विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आधुनिक तकनीकों से जुड़कर दिव्यांगों की अधूरी शिक्षा को पूरा करने पर जोर दिया गया। प्रो0 दुर्गेश पंत, निदेशक, देहरादून परिसर द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही याजनाओं के सम्बन्ध में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय से भी दिव्यांग अधूरी शिक्षा पूरी कर सकते हैं। इसके लिए अनेकों कोर्स चलाए जा रहे हैं।

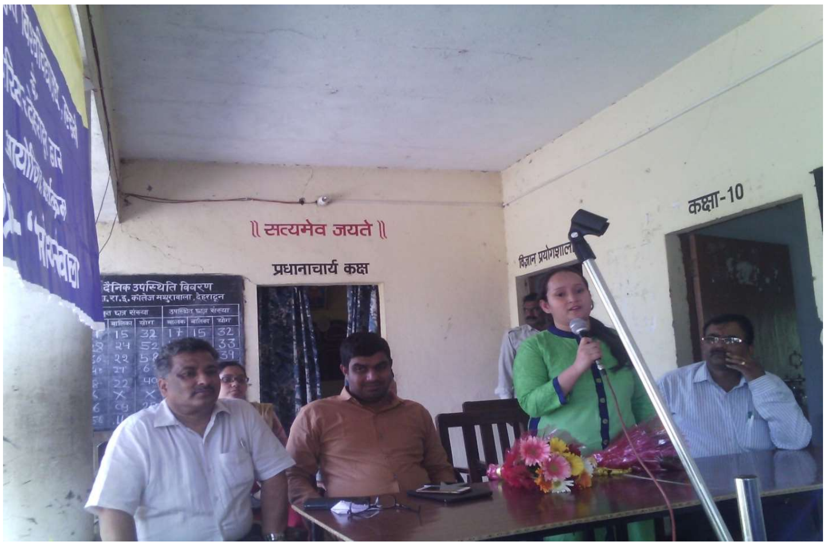

इस अवसर पर समर्थनम ग्रुप, नई दिल्ली के चेयरमैन श्री शैलेन्द्र सिंह और बैंक ऑफ बड़ौदा, नई दिल्ली की सहायक प्रबंधक इंदिरा रावत द्वारा समाज के दिव्यांग लोगों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा से जुड़कर समाज की मुख्यधारा में आने के लिए प्रेरित किया गया। इनके द्वारा दिव्यांगों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी। श्री शैलेन्द्र जो स्वयं जन्म से दृष्टिबाधित हैं, उनकी संस्था समर्थनम दृष्टिबाधित दिव्यांगों के मोटिवेशन के लिए कार्य करती है। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम संयोजक द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

(गोद लिए गॉव मोथरोवाला में दिव्यांगों के विकास हेतु कार्यक्रम)

- दिनांक 06 मई, 2017 को विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गॉव के ग्राम प्रधानों सहित गॉव के लगभग 15 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया। संगोष्ठी में Thyrocare Technologies Ltd., हल्द्वानी की टीम द्वारा विभिन्न रोगों जैसे–थाईराईड, शूगर, विटामिन की कमी से होने वाले रोग आदि के सम्बन्ध जानकारी एवं उनसे सम्बन्धित सावधानियों के सम्बन्ध में बताया। इनके द्वारा प्रतिभागियों हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कार्ड भी बनाये गये।

<u>महिला सषक्तिकरण</u>

- दिनांक 8 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में महिलाओं और दिव्यांगों के सशक्तिकरण में कार्यरत महिलाओं को सम्मानित करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि महिला सशक्तिकरण की ब्रांड अंबेसडर सुश्री कविता बिष्ट ने किया। इस कार्यक्रम में मा0 कुलपति प्रो0 राव ने बताया विश्वविद्यालय दिव्यांगों की शिक्षा के लिए विशेष प्रयास कर रहा है तथा दिव्यांगों को बेहतर शिक्षा देने के लिए विश्वविद्यालय ने कई पाठ्यक्रम संचालित किए है, जिससे उन्हें स्वावलंबी बनाया जा सके। इस दौरान तेजाब पीड़ित छात्रा सुश्री कविता बिष्ट की जीवनी पर "अनथक संघर्ष की कविता" नाम की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

(महिलाओं और दिव्यांगों के सशक्तिकरण में कार्यरत महिलाओं के सम्मान हेतु एक कार्यक्रम)

विषिष्ट षिक्षा

- दिनांक 18 से 27 मई, 2017 तक विश्वविद्यालय द्वारा डी0डी0 कॉलेज, देहरादून में विशिष्ठ बी0एड0 की दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रारम्भ उत्तराखण्ड मुक्त वि0वि0 के पूर्व कुलपति डा0 सुभाष धूलिया ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। डॉ0 सुभाष धूलिया ने छात्र–छात्राओं का ज्ञानवर्धन करते हुए जानकारी दी कि आज मुक्त एवं दूरस्थ कार्यक्रम शिक्षा का एक आधारभूत साधन है जिसके माध्यम से छात्र–छात्राओं को एक शुद्विकरण ज्ञानार्जन व रोजगारपरक शिक्षा मिलेगी। विश्व में सूचना एवं प्रौद्योगिकी क्रांति के उपरान्त मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से घर बैठे शिक्षा प्राप्त कर सकते है। संस्थान के कोर्स समन्वयक प्रो0 निशांत पाल ने कार्यशाला का दस दिवसीय कैलेण्डर प्रस्तुत किया और छात्रों को विशिष्ट शिक्षा का महत्व बताया। कार्यक्रम का समापन भाषण संस्थान के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र सिंह ने दिया।

प्रवेश

- दिनांक 01 मई, 2017 से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने ग्रीष्मकालीन सत्र 2017–18 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नये सत्र हेतु विवरणिका एवं आवेदन पत्र ऑनलाईन जारी कर दिए गये है। विश्वविद्यालय का अब तक का यह पहला सत्र होगा जिसकी प्रवेश प्रक्रिया माह मई से ही शुरू कर दी गई है।
- विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र 2017–18 में मई के आंकड़ों के अनुसार अद्यतन कुल 302 प्रवेशार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है।

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की **वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा 2017** जो 1 जून से 5 जुलाई तक प्रदेश के 54 केन्द्रों में होनी प्रस्तावित है। परीक्षा में 28873 (मुख्य परीक्षा) एवं 8391 (बैक परीक्षा) **कुल 37264** परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षाओं के सफल आयोजन हेतु वि0वि0 ने प्रवेश पत्र में विद्यार्थियों के लिए कुछ बदलाव किये है, जैसे– विषय कोड, समय, व तिथि को प्रवेश पत्र पर ही अंकित किया गया है।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा–2017 की परीक्षा के संबंध में निदेशक, उच्च शिक्षा, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षकों को पत्र प्रेषित किये गये।
- परीक्षा हेतु उत्तरपुस्तिकाओं व परीक्षा के अन्य प्रपत्रों को परीक्षा केन्द्रों में भेजने हेतु तैयारी कर दिनांक 25 मई, 2017 को 07 टीमें समस्त परीक्षा केन्द्रों को भेजी गई।
- परीक्षा से सम्बन्धित गोपनीय प्रपत्रों/प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों में पहुंचाने हेतु दिनांक– 29 मई 2017 को दो–दो सदस्यों की टीमें परीक्षा केन्द्रों को भेजी गई।
- मई माह में योग, विज्ञान, एमबीए, एम0एस0डब्लू, कम्प्यूटर साइंस होटल प्रबंध व संगीत पाठ्यक्रमों की मौखिक/प्रयोगात्मक परीक्षा पिथौरागढ़, हरिद्वार, अल्मोड़ा, पौड़ी, देहरादून व हल्द्वानी परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न कराई गई।

- माह मई में परीक्षा विभाग द्वारा परीक्षार्थियों/अध्ययन केन्द्रों क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त हुई ई–मेल प्रकरणों का समाधान कर उत्तर ई–मेल/फोन के माध्यम से प्रेषित किया गया।
- माह मई में 394 मूल उपाधियॉ, 40 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

शैक्षणिक कार्य

- दिनांक 19 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत भाषा में प्रमाण–पत्र (CSL-17) आधार पाठ्यक्रम, **सहज संस्कृत बोध** के निर्माण हेतू निर्माण समिति की बैठक सपन्न हुई। जिसमें दो प्रश्नपत्रों का पाठ्यक्रम तैयार किया गया, उन दोनों प्रश्नपत्रों में से प्रथम प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम इस उद्देश्य के साथ निर्मित हुआ कि उसका उपयोग विश्वविद्यालय में संचालित आधार पाठ्यक्रम में वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में भी किया जायेगा।

(पाठ्यक्रम निर्माण समिति की बैठक)

पाठ्यक्रम निर्माण हेतु वाह्य विशेषज्ञों के रूप में डॉ0 सोमनाथ नेने, संस्कृत विभाग, बी0एच0यू0, डॉ0 रुपकिशोर शास्त्री, हरिद्वार, डॉ0 राजेश्वर शास्त्री मुशलगावरकर, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, डॉ0 हरीश गुरुरानी, संस्कृत एकेडेमी, हरिद्वार तथा आंतरिक विशेषज्ञों में संयोजक प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, निदेशक, मानविकी, समन्वयक डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्रध्यापक, संस्कृत, डॉ0 शशांक शुक्ल, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी, डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्राध्यापक, ज्योतिष ने समिति की बैठक में प्रतिभाग किया।

- दिनांक 22 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति जी के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में 'दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ' (Distance Education Promotion Cell) का गठन किया गया। उक्त प्रकोष्ठ हेतु चार सदस्यीय समिति का गठन भी किया गया है – डॉ0 भानु प्रकाश जोशी, सहायक प्राध्यापक, योग
  डॉ0 घनश्याम जोशी, अकादमिक परामर्शदाता, लोक प्रशासन
  डॉ0 सिद्धार्थ पोखरियाल, अकादमिक परामर्शदाता, विशिष्ट शिक्षा
  श्री नरेन्द्र जगूड़ी, प्रशासनिक परामर्शदाता
  उक्त समिति राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों विशेषकर पर्वतीय अंचल में दूरस्थ शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए कार्य करेगी जिससे प्रदेश के दुर्गम व पिछड़े क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया जायेगा तथा इसमें प्रवेश लेने हेतु अभिप्रेरित भी किया जायेगा।

पाठ्यक्रम सर्वेक्षण

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश में रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने हेतु योग, समाज कार्य, पर्यटन, होटल प्रबंधन एवं प्रबंध पाठ्यक्रमों के रोजगारपरक सर्वेक्षण हेतु विभिन्न विषयों के अध्यापकों को नामित किया गया है जिनके द्वारा विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थियों के रोजगार क्षमता पर अन्वेक्षण किया जायेगा। उक्त अन्वेक्षण से विश्वविद्यालय की रोजगार क्षमता को मापा जा सकेगा।

सौर उर्जा सयंत्र (Solar Power Plant)

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने बिजली बचाने हेतु उत्तराखण्ड अक्षय उर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) द्वारा सोलर पॉवर प्लांट लगाने की पहल की है। जिसमें उरेडा विभाग से संबद्व फर्म के तकनीकी प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु दिनांक 24.05.2017 को विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण (सर्वे) किया जा चुका है तथा उरेडा के माध्यम से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जून माह के प्रथम सप्ताह में उपलब्ध होने की संभावना है।

बारिश के पानी का संग्रहण (Rainwater Harvesting)

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में अनुपयोगी भूमि में वर्षा के जल को संग्रहण करने हेतु कम कीमत वाले एल0डी0पी0ई0 पोलीथीन टैंक का निर्माण कराने हेतु विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, अल्मोड़ा से तकनीकी मार्गदर्शन लिया है। उक्त संस्थान द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण 06/6/2017 को किया जाना प्रस्तावित है तथा इस परियोजना को, निरीक्षण परिणाम आते ही आरम्भ करा दिया जाऐगा।

ऑनलाइन पाठ्य सामग्री

- विश्वविद्यालय के ई–लर्निंग पोर्टल में संचालित किये जा रहे पाठ्यक्रमों की पाठ्यसामग्री के साथ संबंधित विषय की ओ0इ0आर0 (O.E.R) पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध करायी जाती है, जिसका लाभ विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों के अलावा अन्य लोगों द्वारा निःशुल्क प्राप्त किया जाता है। माह मई में ओ0इ0आर0 (O.E.R) के तहत लगभग 20 पाठ्यक्रम अपलोड किये गये है। माह मई में उक्त पोर्टल को 2400 शिक्षार्थियों द्वारा विजिट (Access) किया गया है।

स्वच्छता एवं कूड़े का निस्तारण

- दिनांक 6 मई, 2017. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कूड़े के निस्तारण हेतु गढ्ढों का निर्माण कराया गया। जिसमें विश्वविद्यालय में उत्पन्न होने वाला जैविक कूड़ा जो सड़ एवं गल सकता है जैसे–घास, पत्तियां, कागज, गत्ते, इत्यादि इन गढ्ढों में डाला जायेगा, जिससे कि वह डीकम्पोज हो कर जैविक खाद में परिवर्तित होगी। जैविक खाद का प्रयोग विश्वविद्यालय के गमलों एवं फूलों की क्यारियों में किया जा सकता है तथा इस प्रकिया से विश्वविद्यालय परिसर को साफ रखने में भी मदद मिलेगी।

कार्यषालाऐं

- दिनांक 01 से 07 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से पी0 जी0 कालेजों, पौड़ी में विज्ञान विषयों की कार्यशाला आयोजित हुई। सात दिवसीय कार्यशाला में 150 छात्र–छात्राओं को विज्ञान से जुड़े प्रयोगात्मक विषयों की जानकारी दी गई।
- दिनांक 02 से 05 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में पत्रकारिता की चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला का शुभारंभ साहित्यकार व संपादक श्री पंकज बिष्ट द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में कई वरिष्ठ पत्रकारों ने प्रतिभाग कर विद्यार्थियों को पत्रकारिता की बारीकियों से अवगत कराया तथा इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रेडीयो, टीवी, प्रिंट और इंटरनेट पत्रकारिता के अलावा फिल्म, विज्ञापन एवं जनसंपर्क की जानकारी देना था।
- दिनांक 03 से 06 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से बी0जी0आर0 परिसर, पौड़ी में विज्ञान विषयों की सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई।

- दिनांक 06 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में दस दिवसीय (6 मई से 16 मई) विशिष्ठ बी0एड0 की कार्यशाला आयोजित हुई।
- दिनांक 11 से 15 मई, 2017 तक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दून परिसर में पत्रकारिता की चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक 16 से 22 मई, 2017 तक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से पी0जी0 कॉलेज, रानीखेत में विज्ञान विषयों की सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अल्मोड़ा, बागेश्वर, कर्णप्रयाग के विज्ञान वर्ग के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालय से आऐ विशेषज्ञों ने भी व्याख्यान दिया। सात दिवसीय इस प्रयोगात्मक कार्यशाला में भौतिकी, रसायन, वनस्पति विज्ञान को शामिल किया गया।
- दिनांक 28 मई, 2017 को देहरादून में समावेशी शिक्षा पर आधारित प्राथमिक शिक्षकों के लिए प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक 30 मई, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से एल0एस0एम0, पिथौरागढ़ विज्ञान विषयों की सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई।

अन्य गतिविधियां

- दिनांक 17 मई, 2017. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में वरिष्ठ पत्रकार एवं गांधीवादी राजेन्द्र धस्माना को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। 81वर्षीय राजेन्द्र धस्माना खुद में एक एन्साइक्लोपीडिया थे तथा धस्माना राहूल सांकृत्यायन की परंपरा के यायावर थे।
- दिनांक 27 मई, 2017 को प्रो0 राम किशोर शास्त्री संस्कृत विभाग केन्द्रीय विश्वविद्यालय इलाहाबाद द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सभागार में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ।
- डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी, एन0आइ0ओ0एस0 द्वारा अमेठी, उत्तर प्रदेश में शैक्षिक विकास हेतु प्रस्तावित मेगा प्रोजक्ट के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में को–इन्वेस्टिगेटर के रूप में प्रतिभाग किया गया।

- दिनांक 31 मई 2017 को पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा द्वारा हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रो0 गिरिजा पाण्डे द्वारा व्याख्यान दिया गया। प्रो0 पाण्डे ने उत्तराखण्ड की पत्रकारिता का उल्लेख करते हुए नैनीताल से 1968 में प्रकाशित समय विनोद नाम के अखबार का जिक्र किया और बताया कि हिन्दी के पहले अखबार उदंत मातंड के प्रकाशन के करीब चालीस साल के भीतर ही उत्तराखण्ड ने भी हिन्दी पत्रकारिता में अपना योगदान देना शुरू कर दिया था, उन्होंने अल्मोड़ा अखबार, शक्ति, गढ़वाली समाचार आदि का जिक्र करते हुए कहा कि उन अखबारों ने समाज की बुराईयों को उजागर करने के साथ ही उत्तराखण्ड में लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय चेतना के विकास में अहम भूमिका निभाई। अध्यक्षता करते हुए प्रो0 एच0पी0 शुक्ल ने पत्रकारिता की आजादी को जीवंत लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया। गोष्ठी के समन्वयक डॉ0 भूपेन सिंह द्वारा पत्रकारिता को एक आधुनिक अनुशासन बताया जिसके अपने नियम–कानून और मूल्य है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर विचार–विमर्श में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और कर्मचारियों ने सार्थक हिस्सेदारी करते हुए आज के मीडिया की कमजोरियों और संमभावनाओं पर चर्चा की।
- माह मई में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के वार्षिक परीक्षाओं की तैयारियां, नये सत्र 2017–18 के प्रवेश की तैयारियां, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किये जा रहे है। विद्याशखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किये गये।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- क)

....